जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है

जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है,
एक दीवा महल में जले जले है ,

पांच तत्व का महल बनाया ,
जिसमे दीवा जलता है ,
दिन में सूरज रात में चंदा जिसके आँगन चलता है ,
नौ लख तारे छावा करते शीतल पवन चले
एक दीवा महल में जले है,
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,

इस महल में हंसा आते
हो इस महल में हंसा आते
आके हंसा ध्यान लगाते
इस महल में अकाल तख़्त है
जिसपे बैठा वो सुल्तान
अरे हाथ जोड़ कर खड़े देवता सुल्तान का हुक्म चले है
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है

जिसने पकडे चरण गुरु के
अरे जिसने पकडे चरण गुरु के वो नर भव से पार हुए
परमेश्वर के सामने उनके मुख उजियार हुए
जन्म मरण में वो परमेश्वर साथ चले है
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,

इस नगरी के रहने बाले
अरे भाई इस नगरी के रहने वाले उस नगरी में जायेंगे,
पारब्रह्म से अपना हाल सुनायेंगे
अरे कोई स्वर्ग के बीच खड़ा हसे है
कोई नरक के बीच गले है
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,
एक दीवा महल में जले जले है ,

परमेश्वर का नाम सिमरिये,
भाई परमेश्वर का नाम सिमरिये
सब क्लेश कट जावेंगे
पैर पकड़िए सतगुरु के दुःख के बादल घाट जावेंगे
जिसके सर पर हाथ गुरु का उसके हुक्म में दुनिया चले है
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,
एक दीवा महल में जले जले है,

फुलसंदे बाले बाबा कहते मिटटी में मिल जावेगा

काया का पिंजरा तोड़ के ये पंछी उड़ जावेगा
ज्योति जावे ज्योति पुर को और भैया
मिटटी तो मिटटी में मिले है
जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है .
एक दीवा महल में जले जले है,

जले है दीवा जले है एक दीवा महल में जले है ,
एक दीवा महल में जले जले है ,
****
एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14949/title/jale-hai-deva-jale-hai-ek-dewa-mehal-me-jle-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |